RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 26 FEBRUARY TO 03 MARCH 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 05 ■ अंक 27 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

अमेरिका से भारत का कच्चा तेल आयात दस गुना बढ़कर 2.5 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचा Page 2

उद्योग, व्यापार को कोरोना वायरस से घबराने की जरूरत नहीं: एसोचैम Page 3

सरकार को आगे पामोलीन के आयात के लिए लाइसेंस जारी करना रोकना चाहिये: एसईए Page 7

editoria!

कारोबार में महिलाएं

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'स्टार्ट अप इंडिया' का लाभ महिला उद्यमियों को ज्यादा नहीं मिल पाया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 के अनुसार इस साल 8 जनवरी तक 27,084 अधिकृत स्टार्टअप कंपनियों में कम से कम एक महिला डायरेक्टर वाली कंपनियों का हिस्सा महज 43 प्रतिशत था। महिलाओं का प्रतिनिधित्व दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी कम है, जहां स्टार्टअप कंपनियों ने बेहतर प्रदर्शन किए हैं। महिला उद्यमी इंडेक्स 2019 में भारत का स्थान कुल 57 देशों में 52वां है। कर्जदाता प्लैटफॉर्म 'इनोवेन कैपिटल' के अनुसार वित्तपोषित स्टार्टअप कंपनियों में कम से कम एक महिला को-फाउंडर वाली कंपनियों का हिस्सा 2018 में कुल का 17 फीसदी था, जो 2019 में घटकर 12 प्रतिशत रह गया। साफ है कि महिलाएं इस क्षेत्र में आना तो चाहती हैं लेकिन परिस्थितियां अनुकूल न रहने के कारण कुछ समय बाद वे अपने कदम वापस खींच ले रही हैं। वैसे तो देश में सामाजिक स्थितियां महिलाओं के लिए कारोबार करने के अनुकूल नहीं बन पाई हैं, फिर भी कुछ वर्षों से इस दायरे में स्त्रियां दिखने लगी हैं। खासकर स्टार्टअप्स का दौर शुरू होने के बाद नई पीढ़ी की महिलाओं ने इसमें अपनी क्षमता सिद्ध की। कुछ ने इसमें सफलता भी पाई लेकिन उनके सामने चुनौतियां इतनी ज्यादा हैं कि कुछ दूर जाने के बाद उनका मनोबल टूट जा रहा है। सर्वे से पता चला है कि उन्हें क्रेडिट सपोर्ट भी कम मिलता है। एक अनुमान है कि महिलाओं के 3 फीसदी स्टार्टअप्स को ही फंड मिल पा रहा है। इसका एक कारण शायद यह भी है कि बाजार में स्वतंत्र महिला निवेशकों की मौजूदगी नाममात्र ही है। लेकिन बड़ा सच यह है कि लगातार मुनाफा कमाने की क्षमता, टिकाऊपन या फिर विस्तार की कसौटियों पर महिला उद्यमियों के स्टार्टअप्स को निवेशक ज्यादा जोखिम भरा मान रहे हैं। उन्हें फंड देते समय उनके कारोबार का आकलन करने के अलावा उनके परिवार का भी मूल्यांकन किया जाता है, जबकि पुरुषों के मामले में ऐसा नहीं है। पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ भी एक बड़ी बाधा है। इस दायित्व के चलते महिलाओं को पुरुषों की तुलना में नेटवर्किंग के लिए कम समय मिल पाता है। स्त्री को लेकर समाज के पूर्वाग्रह अलग आड़े आते हैं। महिला बॉस से पुरुषों का अहं कुछ ज्यादा ही टकराता है इसलिए हाल तक हुनरमंद लोगों को कंपनी में लाना महिला उद्यमियों के लिए एक बड़ी समस्या थी। कई पुरुष प्रफेशनल्स इस दुविधा में रहते हैं कि महिला स्वामित्व वाला उद्यम चल पाएगा या नहीं। जिन वेंडरों के साथ उन्हें खरीद-बिक्री करनी होती है, वे भी महिला उद्यमी को गंभीरता से नहीं लेते। अगर हम कारोबारी दायरे में महिला-पुरुष बराबरी चाहते हैं तो इन सारे पहलुओं पर लगातार कुछ न कुछ करते रहना होगा।

क्रूड ऑयल

शॉर्ट कवरिंग से विदेश में चढ़ा कच्चा तेल, घरेलू बाजार में गिरा

नई दिल्ली। एजेंसी

शॉर्ट कवरिंग के चलते विदेश में कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। हालांकि, घरेलू बाजार में इसमें नरमी है। बुधवार सुबह 11 बजे के करीब एमसीएक्स पर कच्चे तेल का मार्च वायदा 25 रुपये या 0.69 फीसदी गिरावट के साथ 3619 रुपये पर कारोबार कर रहा था। कोरोना वायरस का संक्रमण दूसरे देशों में तेजी से फैला तो इसका असर क्रूड के भाव पर पड़ेगा।

ब्रेंट क्रूड 42 सेंट या 0.8 फीसदी बढ़कर 55.37 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 43 सेंट या 0.9 फीसदी बढ़कर 50.33 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार और मंगलवार को कच्चे तेल के दोनों बेंचमार्क लगभग 7 फीसदी गिरे थे। कोरोना वायरस का प्रकोप चीन के अलावा भी दूसरे देशों में फैलने के बाद महामारी की आशंका बढ़ गई है। ईरान में भी वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई, जो चीन के बाहर सबसे अधिक है। इसके साथ ही दक्षिण कोरिया और इटली में भी संक्रमण बढ़ा है। वहीं, चीन में अब तक 2500 से ज्यादा लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मंगलवार को जारी आंकड़ों अमेरिकन पेट्रोलियन संस्थान के मुताबिक, बीते हफ्ते अमेरिका में कच्चे तेल का भंडार 13 लाख बैरल चढ़ गया। निवेशकों की नजरें अब अमेरिकी ऊर्जा विभाग के आंकड़ों पर हैं. हालांकि, लीबिया में पिछले महीने की 18 तारीख से कच्चे तेल का उत्पादन लगातार गिर रहा है।

शेल ने भारत में पेश किया अपना 'बेड़ा प्रबंधन समाधान

बेंगलुरू। एजेंसी

तेल एवं गैस क्षेत्र की प्रमुख वैश्विक कंपनी शेल ने मंगलवार को अपना गाड़ियों के बेड़े (फ्लीट) का प्रबंधन समाधान पेश किया। यह समाधान कंपनियों को उनका वाहन बेड़ा रखने की लागत में कमी लाने में मदद करेगा। कंपनी ने कहा कि इस समाधान में कंपनियों को शेल फ्यूल, शेल फ्लीट प्रीपेड प्रोग्राम और शेल टेलीमेटिक्स जैसी उत्पाद और सेवाएं मिलेंगी। यह ग्राहकों को धोखाधड़ी के खिलाफ अधिक सुरक्षित बनाएगा और परिचालन पर बेहतर नियंत्रण देगा। कंपनी ने कहा कि उसकी यह प्रणाली 60 साल से भी अधिक समय से उसके वैश्विक स्तर पर बेड़ा प्रबंधन कारोबार में लगे होने और 60 लाख से अधिक फ्लीट कार्ड के अनुभव पर आधारित है। कंपनी ने कहा कि वह अपनी कई समाधान प्रणालियों को भारत में पेश कर रहा है जो उसके वैश्विक अनुभव, विशेषज्ञता, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और विश्वस्तरीय नवोन्मेष भारतीय फ्लीट मालिकों को प्रदान करेगा। कंपनी के फ्लीट समाधान महाप्रबंधक (कारोबार विकास, विपणन और परिचालन) ने यहां संवाददाताओं से कहा, " हमारा लक्ष्य सतत परिवहन समाधान के लिए हमारे ग्राहकों की पहली पसंद बनना है। हम इसे उनकी फ्लीट प्रबंधन की परेशानियों को समझकर उनकी जरूरत के हिसाब से समाधान उपलब्ध कराकर प्राप्त कर सकते हैं।"

हाजिर मांग से कच्चे तेल का वायदा भाव चढ़ा

नयी दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक बाजारों के मजबूत रुख के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से मंगलवार को कच्चे तेल का वायदा भाव 70 रुपये चढ़कर 3,732 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का मार्च आपूर्ति का अनुबंध 70 रुपये या 1.91 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,732 रुपये प्रति बैरल रहा। इसमें 45,390 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह कच्चे तेल का अप्रैल अनुबंध 69 रुपये या 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,758 रुपये प्रति बैरल रहा। इसमें 717 लॉट का कारोबार हुआ। इस बीच, वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.66 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं ब्रेंट कच्चा तेल 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 56.58 डॉलर प्रति बैरल पर था।

इंदौर में खुलेगा सीपेट का सेंटर

अधिकारियों ने मानी आईपीपीएफ की मांग

सीपेट की गवर्निंग बॉडी मिटिंग इंदौर में संपन्न

इंदौर। शहर में सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजिनियरिंग एंड टैक्नॉलाजी का सेंटर खोलने की मांग प्लास्टिक उद्योग संगठन लम्बे समय से कर रहे है। अब इस दिशा में सफलता मिलती दिख रही है। सीपेट की गर्वनिंग बॉडी मैंबरों की मीटिंग इंदौर में आयोजित की गई। इस दौरान इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के प्रतिनिधी मंडल ने सीपेट के उच्च अधिकारियों से मुलाकात की। अधिकारियों ने इंदौर में सेंटर खोलने की मांग को स्वीकार करते हुए जल्दी से जल्दी सेंटर की अनुमति प्रदान करने की बात भी कही।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

केंद्रीय अधिकारियों के साथ सीपेट, एमएसएमई इंदौर, इंडियन प्लास्ट पैक फोरम, पीथमपुर औद्योगिक संगठन के पदाधिकारी

देश में प्राकृतिक गैस के दाम में अप्रैल से 25 प्रतिशत की हो सकती है कटौती

नयी दिल्ली। एजेंसी

वैश्विक स्तर पर दाम में नरमी के साथ देश में प्राकृतिक गैस की कीमतों में अप्रैल से 25 प्रतिशत की कटौती हो सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सार्वजनिक क्षेत्र की ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लि. एक अप्रैल से छह महीने की अवधि के लिये गैस के दाम में कटौती कर करीब 2.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट कर सकती हैं। फिलहाल यह 3.23 डॉलर प्रति यूनट है। देश में उत्पादित गैस में इन दोनों कंपनियों की अच्छी-खासी हिस्सेदारी है। सूत्रों के अनुसार कठिन फील्डों से उत्पादित गैस के दाम भी मौजूदा 8.43 डॉलर प्रति यूनिट से कम कर 5.50 डॉलर प्रति यूनिट की जा सकती है। प्राकृतिक गैस के दाम हर छह महीने पर...एक अप्रैल और एक अक्टूबर... तय किये जाते हैं। प्राकृतिक गैस का उपयोग उर्वरक और बिजली उत्पादन में किया जाता है। साथ ही उसका उपयोग वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग के लिये सीएनजी और घरों में खाना पकाने की गैस में होता है। गैस की दर से जहां यूरिया, बिजली और सीएनजी की कीमतें तय होती हैं, वहीं इससे ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) जैसी गैस उत्पादकों की आय भी निर्धारित होती है। इससे पहले, प्राकृतिक गैस की कीमत में एक अक्टूबर को 12.5 प्रतिशत की कटौती की गयी थी। इसके तहत दर 3.69 डॉलर प्रति यूनिट से कम कर 3.23 डॉलर प्रति यूनिट किया गया। वहीं कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस के लिये कीमत उच्चतम स्तर 9.32 डॉलर प्रति यूनिट से घटाकर 8.43 डॉलर प्रति यूनिट किया गया। सूत्रों ने कहा कि दाम में कटौती से देश की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी ओएनजीसी की आय पर असर पड़ेगा। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी भागीदार बीपी की आय भी प्रभावित हो सकती है जो दूसरे चरण में पूर्वी अपतीय क्षेत्र में केजी-डी6 ब्लाक में खोजे गये फील्ड से 2020 के मध्य से उत्पादन की योजना बनायी है। गैस की कीमतों में कटौती से ओएनजीसी जैसी कंपनियों की आय कम होगी लेकिन इससे सीएनजी के दाम भी कम होंगे जिसका उपयोग कच्चे माल के रूप में प्राकृतिक गैस में किया जाता है। साथ ही घरों में पाइप के जरिये पहुंचने वाली रसोई गैस और उर्वरक तथा पेट्रोरसायन की लागतें भी कम होंगी। सूत्रों के अनुसार ओएनजीसी का गैस करोबार से आय और कमाई करीब 3,000 कम होगी। गैस के दाम में एक डॉलर प्रति यूनिट के बदलाव से यूरिया की उत्पादन लागत करीब 1,600 से 1,800 रुपये प्रति टन का बदलाव आता है। कीमत में कटौती से सरकार की सब्सिडी में 2020-21 की पहली छमाही में 800 करोड़ रुपये की कमी आएगी।

अमेरिका से भारत का कच्चा तेल आयात दस गुना बढ़कर 2.5 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका से भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति पिछले कुछ साल के दौरान दस गुना बढ़कर 2.5 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई है। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री डेन ब्रुइलेट ने मंगलवार को यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा कि भारत को कच्चे तेल का निर्यात पिछले कुछ साल में दस गुना बढ़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक कारोबारी बैठक में उन्होंने कहा कि भारत दो साल पहले तक अमेरिका से रोजाना 25,000 बैरल तेल का आयात करता था, जो अब 2.5 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है। भारत ने साल 2017 में अमेरिका से कच्चे तेल का आयात शुरू किया था। इसके पीछे मकसद ओपेक देशों के अलावा दूसरे देशों को शामिल करके आयात में विविधता लाना था। अमेरिका से क्रूड का आयात बढ़ाने की नीति के तहत भारत ने 2017-18 में अमेरिका से 19 लाख टन (38,000 बैरल प्रतिदिन) और 2018-19 में 62 लाख टन (1.24 लाख बैरल प्रतिदिन) तेल खरीदा।

चालू वित्त वर्ष (2019-20) की पहली छमाही के दौरान अमेरिका ने भारत को 54 लाख टन कच्चे तेल की आपूर्ति की है। इसके बाद भी इराक कच्चे तेल का भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। भारत की कुल मांग की एक चौथाई आपूर्ति इसी देश से होती है। इराक ने अप्रैल से सितंबर के दौरान 2.60 करोड़ टन कच्चे तेल की बिक्री की है।चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर की अवधि में भारत ने कुल 11.14 करोड़ टन कच्चे तेल की खरीदारी की है। भारत अपनी कच्चे तेल की मांग का 83 फीसदी तक आयात करता है।

पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने के लिए जरूरी है मूल्य समतुल्यता : ब्राजीलियाई विशेषज्ञ

नयी दिल्ली। एजेंसी

ब्राजील के इथेनॉल विशेषज्ञ पलिनिओ नास्तरी ने सोमवार को कहा कि पेट्रोल में 10 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है बशर्ते चीनी और इथेनॉल के भाव समतुल्य बने रहें। इसके लिए उन्होंने एक दीर्घकालिक मूल्य निति लागू करने का सुझाव दिया है। मूल्य समतुल्यता का अर्थ है कि कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ उत्पाद या सेवा का विक्रय मूल्य भी समान दर से बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा इथेनॉल और चीनी के बीच मूल्य समतुल्यता के लिए भारत को दीर्घकालिक मूल्य नीति अपनानी चाहिए। इससे निवेशकों को एक बाजार की दिशा का पता लगेगा और वे एथनाल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए निवेश करने का निर्णय आसानी से कर सकेंगे। पिछले साल भारत ने पेट्रोल में पांच प्रतिशत इथेनॉल मिलाने के लक्ष्य को हासिल किया था, जो 10 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले काफी कम है। इस लक्ष्य को हालिस करने की दिशा में सबसे बड़ी बाधा इथेनॉल उत्पादन क्षमता की कमी है। भारत दुनिया का सबसे दूसरा सबसे चीनी उत्पादक है, जबकि ब्राजील शीर्ष स्थान पर है। ब्राजील इथेनॉल मिलाने के मामले में भारत से बहुत आगे है और वहां पेट्रोल में 25 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जाता है। नास्तरी, जो ब्राजील की राष्ट्रीय ऊर्जा नीति परिषद के सदस्य हैं, ने यहां एक कार्यक्रम में भारत की इथेनॉल नीति पर कहा, 'ब्राजील में इथेनॉल की क्षमता तैयार करने में इथेनॉल-चीनी मूल्य समतुल्यता सहित दीर्घावधि की नीतियां सहायक रही हैं। इसी तरह भारत में भी दीर्घावधि की स्थित नीतियां जरूरी हैं।' उन्होंने कहा कि इथेनॉल मिश्रण के लिए सही नियामक व्यवस्था होनी चाहिए।

कोरोना वायरस ने महामारी का रूप लिया, तो वैश्विक मंदी का खतरा : मूडीज

नयी दिल्ली। एजेंसी

मूडीज एनालिटिक्स का मानना है कि यदि कोरोना वायरस एक महामारी का रूप लेता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी के घेरे में आ सकती है। मूडीज एनालिटिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री मार्क जैंडी ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण का प्रसार अब इटली और कोरिया में भी हो चुका है। ऐसे में इसके महामारी का रूप लेने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस ने चीन की अर्थव्यवस्था को एक बड़ा झटका दिया है। अब यह पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बन चुका है। कोरोना वायरस का आधिकारिक नाम कोविड-19 है। इसकी शुरुआत दिसंबर, 2019 में चीन के वुहान से हुई थी। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा, "कोविड-19 वैश्विक अर्थव्यवस्था को कई तरीके से झटका दे रहा है। चीन में व्यापार के मकसद से यात्रा और पर्यटन पूरी तरह ठप हो चुका है। दुनिया भर की एयरलाइन कंपनियों ने चीन के लिए उड़ान रोक दी है। अमेरिका जैसे प्रमुख यात्रा गंतव्यों के लिए भी समस्या खड़ी हो गई है। चीन से हर साल 30 लाख पर्यटक अमेरिका जाते हैं।" मूडीज ने कहा कि अमेरिका में विदेशी पर्यटकों द्वारा खर्च किए जाने के मामले में चीन के पर्यटक सबसे आगे हैं। यूरोप के लिए यात्रा पर भी असर पड़ा है। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि बंद कारखाने चीन की विनिर्माण आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर देशों और कंपनियों के लिए समस्या हैं। एप्पल, नाइक और जनरल मोटर्स ऐसी अमेरिकी कंपनियां हैं जो इससे प्रभावित हैं। जैंडी ने कहा कि चीन में मांग घटने से अमेरिकी निर्यात भी प्रभावित होगा। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुए पहले चरण के करार के तहत चीन को अमेरिका से आयात बढ़ाना था। उन्होंने कहा कि पहले से यह सवाल हो रहा था कि चीन वास्तव में अमेरिका से कितनी खरीद करता है। अब कोविड-19 के बाद यह सवाल और बड़ा हो गया है।

कोरोना से लड़ने की नई तैयारी, सभी एयरपोर्ट और बंदरगाह मई तक सातों दिन-24 घंटे खुले रहेंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

चीन में कोरोना वाइरस का कहर जारी है। चीन में अब तक 2500 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है। इसके कारण भारत समेत ग्लोबल ट्रेड पर काफी बुरा पड़ा है। चीन से माल की आवाजाही बंद है। फिलहाल जो कुछ ट्रेड हो रहा है, उसमें किसी तरह की परेशानी ना हो इसके कारण मई 2020 तक सभी बंदरगाह और एयरपोर्ट पर सातों दिन 24 घंटे कस्टम ड्यूटी सेंटर खुले रखने का आदेश जारी किया है।

CBIC ने जारी किया आदेशसेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस (CBIC) ने सभी सीमा शुल्क और केंद्रीय कर आयुक्तों को चिट्ठी लिखकर कहा कि सातों दिन-24 घंटे के आधार पर बंदरगाहों, मालवाहक एयरपोर्ट पर तत्काल पर्याप्त संख्या में अधिकारियों की तैनाती की व्यवस्था की जाए।

कोरोना बना ग्लोबल हेल्थ इमर्जेंसी, धीरे-धीरे डुबा रहा है आपका पैसा

चीन से आयात-निर्यात प्रभावित

बोर्ड ने पत्र में कहा गया है कि कोरोना वाइरस के प्रकोप के चलते चीन में जारी बंदी के चलते हमारी औद्योगिक इकाइयों के लिए कच्चे माल की सप्लाई में दिक्कतें आने की आशंका है। इस तरह चीन को होने वाले निर्यात में भी कमी आ सकती है। इस पत्र आगे कहा गया है, 'इसके विपरीत, इस बात की जोरदार संभावना है कि वायरस का प्रसार पूरी तरह नियंत्रण में आने के बाद चीन से आयात और निर्यात में तत्काल तेजी आएगी।'

कुछ बंदरगाहों और एयरपोर्ट पर ही ऐसी सुविधा

सीबीआईसी ने कहा, 'ऐसी स्थितियों को संभालने के लिए पहले से आवश्यक कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसलिए सीबीआईसी ने सभी सीमा शुल्क केंद्रों में 'सातों दिन-24 घंटे' निकासी शुरू करने का फैसला किया है।' इस समय कुछ खास बंदरगाहों और एयरपोर्ट पर ही 'सातों दिन-24 घंटे' निकासी की सुविधा उपलब्ध है। हालिया निर्देश के बाद सभी सीमा शुल्क केंद्र मई 2020 तक 'सातों दिन-24 घंटे' काम करेंगे।

रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोरोना वायरस के प्रभाव पर गौर करेगा : रिपोर्ट

सिंगापुर। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ब्याज दरों पर फैसला करते समय कोविड-19 संक्रमण से जुड़े घटनाक्रमों पर गौर करेगी। सिंगापुर के डीबीएस बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है। कोरोना वायरस की वजह से चीन से आपूर्ति बाधित हुई है। डीबीएस बैंक की रिपोर्ट 'भारतः वृद्धि एवं मुद्रास्फीति लक्ष्य समीक्षा' में बैंक की अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा कि चीन से आपूर्ति में बाधा से भारत पर इसका प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा क्षेत्रीय कंपनियां भी इससे प्रभावित हुई हैं जो शुद्ध रूप से चीन से आयात करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि इसका प्रभाव 2020 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) तक रहता है तो उत्पादन में देरी के साथ अस्थायी रूप से कीमतों में भी बढ़ोतरी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमपीसी कोविड-19 से जुड़े घटनाक्रमों पर गौर करेगी।

महत्वपूर्ण निजी जानकारी को देश के भीतर ही रखा जाना चाहिएः नीति आयोग

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत ने मंगलवार को यहां कहा कि लोगों के महत्वपूर्ण निजी डेटा को देश के भीतर ही रखना चाहिए।भारत ने सार्वजनिक हित में मास्टरकार्ड और वीजा सहित वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों के लिए डेटा स्थानीयकरण मानदंडों का पालन अनिवार्य किया है, जिसकी पृष्ठभूमि में यह बयान आया है।डेटा स्थानीयकरण के तहत यह आवश्यक है कि देशवासियों के डेटा को देश के अंदर ही रखा जाए और स्थानीय गोपनीयता या डेटा सुरक्षा कानूनों को पूरा करने के बाद ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थानांतरित किया जा सकता है।कांत ने कहा, 'सीमापार डेटा के बारे में मेरी राय एकदम साफ है... देश में बड़ी मात्रा में डेटा है और महत्वपूर्ण व्यक्तिगत डेटा को देश के भीतर ही रखना चाहिए। मैं इस बात को दृढ़ता के साथ मानता हूं कि व्यक्तिगत महत्वपूर्ण मानव डेटा निश्चित रूप से देश के भीतर रखा जाना चाहिए।'उन्होंने कहा कि नीति आयोग सार्वजनिक उपयोग के लिए सार्वजनिक मंच पर डेटा साझा करने के लिए एक पोर्टल बनाने की प्रक्रिया में है।

उद्योग, व्यापार को कोरोना वायरस से घबराने की जरूरत नहीं: एसोचैम

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

उद्योग मंडल एसोचैम ने कहा है कि औषधि समेत भारतीय उद्योग और व्यापार जगत के तमाम क्षेत्र आपूर्ति श्रृंखला पर प्रभाव पड़े बिना कोरोना वारस से उत्पन्न स्थिति से निपटने को तैयार हैं। उसने यह भी कहा कि इससे निकट भविष्य में कोई बड़ी चुनौती नहीं दिखायी दे रही। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। भारत सरकार और उद्योग एक-दूसरे के साथ मिलकर सक्रिय रूप से इससे निपटने को लेकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा,''यह सही है कि उच्च एकीकृत अर्थव्यवस्था में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एक वास्तविकता है लेकिन अस्थायी बाधाओं से निपटने के लिये पर्याप्त गुंजाइश बनी हुई है।'' सूद ने कहा, ''भारत सरकार और उद्योग कोरोना वायरस का विश्व अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर के कारण उसका देश में आर्थिक, तकनीकी या अनुबंध पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिये एक-दूसरे के साथ मिलकर अति सक्रियता के साथ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अबतक भारतीय उद्योग के लिये आपूर्ति श्रृंखला में कोई बड़ी बाधा नहीं आयी है और निकट भविष्य में कोई चुनौतियां भी नहीं दिख रही। सूद ने कहा कि भारत औषधियों में कच्चे माल के रूप में उपयोग होने वाले सक्रिय रसायनों (एपीआई) का 60 से 70 प्रतिशत चीन से आयात करता है। लेकिन कई घरेलू और वैश्विक कंपनियां हैं जिन्होंने भारत में ऐसे रसायनों के विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रखे हैं। स्थिति के अनुसार उन्हें देश में उत्पादन बढ़ाने के लिये प्रोत्साहित किया जा सकता है। एसोचैम ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योग के लिये फिलहाल कोई चुनौती नहीं है लेकिन ताइवान जैसे स्रोतों से वैकल्पिक आपूर्ति की संभावना तलाशी जा सकती है।विभिन्न रिपोर्ट के अनुसार चीन में फैले कोरोना वायरस से अबतक 2,200 लोगों की मौत हुई है। वहीं पूरी दुनिया में इससे करीब 77,000 लोग प्रभावित हुए हैं।

ट्रंप ने भारतीय उद्योग को दिया निवेश का न्यौता कायदे-कानून को सुगम बनाने का किया वादा

नयी दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को भारतीय उद्योग को अपने देश में और अधिक निवेश करने का न्यौता दिया। साथ ही कारोबार से जुड़े कायदे-कानून के अंकुश को और कम करने का वादा किया। ट्रंप सरकार अमेरिकी अर्थव्यवस्था को गति देने के लिये और अधिक वैश्विक निवेश आकर्षित करना चाहती है। भारतीय उद्योगपतियों के साथ बैठक में उन्होंने अमेरिका में निवेश के लिये नियमन और बेहतर बनाने का आश्वासन दिया। इस बैठक में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, महिंद्रा समूह के चेयरमेन आनंद महिंद्रा, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला जैसे भारत के दिग्गज उद्यमी शामिल थे। भारतीय उद्याग जगत ने अमेरिकी राष्ट्रपति को वहां हो रहे अपने कारोबार और निवेश के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, ''मैं आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। आपकी सफलता पर बधाई। उम्मीद है कि आप अमेरिका आएंगे तथा और निवेश करेंगे। मैं इस निवेश को अरब डॉलर के रूप में नहीं देखता बल्कि रोजगार सृजन के रूप में देखता हूं...।''उद्योग जगत ने जब कहा कि अमेरिका में खासकर प्रशासनिक और विधायी माहौल में नियामकीय चुनौतियों बनी हुई हैं, ट्रंप ने कहा, ''कुछ नियमनों को सांविधिक प्रक्रिया से हटाया जाना है...हम कई सारे नियमन को समाप्त करने जा रहे हैं...आपको अंतर दिखेगा और आप इसे अच्छा पाएंगे।'' उन्होंने अमेरिका तथा भारत की कंपनियों को एक-दूसरे देश में निवेश करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकारें रोजगार सृजन में केवल सहायता कर सकती हैं और वह निजी उद्योग है जो वास्तव में नौकरियां देता है। ट्रंप ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ''हम यहां रोजगार सृजित कर रहे हैं और वह आपके जरिये वहां रोजगार सृजित कर रहे हैं।'' मोदी के बारे में उन्होंने कहा, ''किसी ने कहा है कि वे अच्छे इंसान है और मेरे हिसाब से वास्तव में ऐसा है। वह वास्तव में वह कड़क नेता हैं लेकिन साथ ही अच्छे इंसान भी हैं। वह शानदार काम कर रहे हैं।''उन्होंने अपनी भारत यात्रा के दूसरे दिन यहां उद्यमियों की बैठक में कहा कि भारत के साथ व्यापार समझौता पर काम हो रहा है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में कोई ब्योरा साझा नहीं किया। भारत यात्रा के बारे में राष्ट्रपति ने कहा, ''यहां आना मेरे लिये सम्मान की बात है। हमने भारत के साथ व्यापार की काफी बात की है। वे हमसे 3 अरब डॉलर मूल्य का हेलीकाप्टर खरीदेंगे।'' ट्रंप ने दावा किया कि वह आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीतने जा रहे हैं और इससे बाजार में उछाल आएगा। उनकी सरकार ने अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सैन्य क्षेत्र के लिये काफी कुछ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी अगुवाई में अमेरिकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है और जितनी अच्छी है स्थिति अभी है, वैसी कभी नहीं थी।

सूक्ष्मवित्त क्षेत्र अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 26.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा

मुंबई। एजेंसी

वित्त वर्ष 2019-20 में अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान सूक्ष्मवित्त क्षेत्र 26.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। इस दौरान इस क्षेत्र में 2.12 लाख करोड़ रुपये का कर्ज दिया गया।एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान ठीक पिछली तिमाही के मुकाबले 8.5 प्रतिशत की बढ़त हुई है। देश में सूक्ष्मवित्त उद्योग से संबंधित तिमाही रिपोर्ट 'क्रिफ माइक्रोलैंड' के मुताबिक, 'वित्त वर्ष 2019-20 की दूसरी तिमाही के मुकाबले ग्रामीण और भौगोलिक दोनों क्षेत्रों में तेज वृद्धि देखी गई। ग्रामीण क्षेत्रों में पिछली तिमाही के 1.6 प्रतिशत के मुकाबले 10 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि देखने को मिली और शहरी क्षेत्रों में पिछली तिमाही के एक प्रतिशत के मुकाबले 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई।'

अमेरिका से 3 अरब डॉलर के हेलीकॉप्टर खरीदेगा भारत, जानें सौदे की बड़ी बातें

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका से भारत 3 अरब डॉलर का हेलीकॉप्टर खरीदेगा। मंगलवार को दोनों देशों के बीच इस सौदे पर हस्ताक्षर हुए। भारत की यात्रा पर आए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को इस डील को अपनी यात्रा की उपलब्धि बताई। इसके तहत भारत सेना के लिए 24 एमएच-60 सिकोर्स्की रोमियो मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर और छह अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर खरीदेगा। ट्रंप ने कहा कि इस डील से हमने भारत के साथ रक्षा सहयोग का दायरा बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इस सौदे से हमारी संयुक्त रक्षा क्षमता मजबूत होगी। हमारी सेनाएं एक साल मिलकर ट्रेनिंग कर सकेंगी। अधिकारियों ने बताया कि इन हेलीकॉप्टर की डिलीवरी तीन साल में शुरू होगी। अमेरिका के साथ हेलीकॉप्टर खरीदने की इस डील से टाटा ग्रुप सहित कई भारतीय निजी कंपनियों को इनके ऑफसेट वर्क से फायदा होगा। यह ऑफसेट वर्क अमेरिकी कंपनियों बोइंग और लॉकहीट मार्टिन की ग्लोबल सप्लाई चेन में इनके शामिल होने से मिलेगा। लॉकहीड मार्टिन ग्रुप ने सकोर्सकी हेलीकॉप्टर बनाए हैं। ये हेलीकॉप्टर भारतीय नौसेना के लिए फ्रंटलाइन डिस्ट्रॉयर और युद्धपोतों की तैनाती के लिहाज से अहम हैं। भारतीय वायुसेना पहले से अपाचे हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर रही है।

भारत थल सेना के लिए करीब 93 करोड़ डॉलर की लागत से छह और हेलीकॉप्टर खरीदने की डील पर दस्तखत करेगा। बोइंग इंडिया के प्रेसिडेंट सलिल गुप्त ने कहा, ' छह एएच-64 हेलीकॉप्टर खरीदने और लाइफसायकल सर्विस सपोर्ट लेने के भारत के फैसले का हम स्वागत करते हैं। एएच-64 ई भारतीय थल सेना की ताकत बढ़ाएगा। ये हेलीकॉप्टर रूस के एमआई-35 की जगह लेंगे। बोइंग ने भारतीय वायुसेना के लिए 22 अपाचे के ऑर्डर के तहत 17 हेलीकॉप्टर पहले ही दे दिए हैं। बाकी पांच अगले महीने मिल जाएंगे।

आर्कटिक तेल को लेकर पर्यावरण संगठनों ने नार्वे सरकार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

ओस्लो। एजेंसी

दो पर्यावरण संगठनों ने सोमवार को कहा कि वे आर्कटिक में तेल लाइसेंस देने के नॉर्वे सरकार के फैसले को वहां के उच्चतम न्यायालय चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं। ग्रीनपीस और नेचर ऑग ओगडम (प्रकृति और युवा) ने कहा कि 2016 में कंपनियों को दिए गए तेल उत्खनन लाइसेंस को रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि वे नॉर्वे के संविधान का उल्लंघन करते हैं, जिसमें स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार शामिल है। उच्चतम न्यायालय इस बारे में सुनवाई करने या नहीं करने के बारे में आने वाले महीनों के दौरान फैसला करेगा। हालांकि, इन संगठनों को इस सिलसिले में पहले ही ओस्लो जिला अदालत और एक अपीलीय अदालत में हार का सामना करना पड़ा है।

छात्रों ने स्मार्ट खेती के लिए बनाई एआई और आईओटी आधारित 'ई परिरक्षक' खेती तकनीक

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

पंजाब के एक निजी विश्वविद्यालय के छात्रों ने स्मार्ट खेती के लिए एआई (कृत्रिम मेधा) और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) आधारित प्रणाली 'ई-परिरक्षक' का आविष्कार किया है। इस उपकरण को किसी कृषि क्षेत्र की निगरानी करने के लिहाज से बनाया गया है, जिसके माध्यम से जमीन में पानी के स्तर की जानकारी रखने के साथ-साथ पंप, ब्लोअर और छिड़काव सिंचाई (स्प्रिंकल) को दूर बैठकर भी नियंत्रित किया जा सकेगा। जलंधर के लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के छात्रों ने अपने शिक्षकों की मदद से इस प्रौद्योगिकी का विकास अपने शिक्षकों की मदद से की है। इसे पेटेन्ट कराने का प्रयास है। यह उपकरण तापमान, आर्द्रता, मिट्टी के पीएच स्तर, मिट्टी की नमी और जल स्तर की निगरानी कर सकता है विश्वविद्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार इस परियोजना पर काम करने वाले विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में प्रोफेसर राजेश सिंह ने कहा, 'ई-परिक्षेत्र के साथ, हम अपने किसानों के लिए आज की अत्याधुनिक तकनीक जैसे एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) और आईओटी के आधार पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस उपकरण से किसान अपने खेत की गुणवत्ता, मिट्टी की रूपरेखा के साथ-साथ नमी की सही जानकारी प्राप्त करने के साथ साथ दूर से अपने खेत की निगरानी करने में सक्षम होंगे। इसके माध्यम से किसान छिड़काव सिंचाई और पंप जैसे जमीनी उपकरणों पर नियंत्रण रख सकेंगे और दूर बैठे बैठे इन्हें खोल या बंद कर सकेंगे। सिंह ने कहा कि उत्पादकता बढ़ाने में सहायक ई-परिक्षेत्र एक पूर्ण कृषि सूचना और क्षेत्र विकास प्रणाली है । इस यंत्र द्वारा एकत्र किए गए डेटा को भविष्य के किसी भी विश्लेषण के लिए क्लाउड में संग्रहीत किया जाता है। ई-परिरक्षक में कई सेंसर नोड्स लगे होते हैं। इन्हें फील्ड में तैनात किया जा सकता है और एलसीडी स्क्रीन के माध्यम से अपने खेत के बारे में तमाम जानकारियां प्राप्त कर सकता है। यह प्रणाली उन्नत 'मशीन लर्निंग एल्गोरिदम' के माध्यम से क्षेत्र से एकत्र किए गए आंकड़ों का विश्लेषण करता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस क्षेत्र में किस फसल की खेती सबसे उपयुक्त होगी। यही नहीं, यह उपकरण फसल में किसी भी बीमारी या संक्रमण का भी पता लगाता है। इस यंत्र को इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता नहीं है और स्टार टोपोलॉजी या स्टार नेटवर्क व्यवस्था के साथ यह 10 किमी की सीमा के भीतर काम करता है। आवश्यक हो तो नेटवर्किंग व्यवस्था में बदलाव कर के इसकी सीमा भी बढ़ाई जा सकती है।

इंदौर में खुलेगा सीपेट का सेंटर

सीपैट लखनऊ प्रिसिंपल डॉयरेक्टर श्री संदेश जैन, केंद्र सरकार के ज्वाइंट सैक्ट्री श्री काशी नाथ झा, आईपीपीएफ अध्यक्ष श्री सचिन बंसल और वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाष चतुर्वेदी

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग के सचिव श्री पी. राघवेंद्र राव को स्मृति चिन्ह प्रदान करतें आईपीपीएफ के समन्वयक श्री हितेश मेहता

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री काशी नाथ झा को स्मृति चिन्ह प्रदान करते श्री सुभाष चतुर्वेदी साथ में सचिव श्री राव

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री काशी नाथ झा के साथ आईपीपीएफ के अध्यक्ष सचिन बंसल

इप्मा-मुंबई के अध्यक्ष श्री जगत किल्लेवाला के साथ आईपीपीएफ अध्यक्ष श्री सचिन बंसल और वरिष्ठ सदस्य श्री सुभाष चतुर्वेदी

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश के प्लास्टिक उद्योगों का सबसे बडा प्रतिनिधी संगठन इंडियन प्लास्ट पैक फोरम इस सेंटर के लिए लम्बे समय से प्रयासरत था। इस सब सेंटर के खुलने से प्लास्टिक इंडस्ट्रीज को अनेक प्रकार की सुविधाऐं मिलेगी।

पहली बार इंदौर में गर्वनिंग बॉडी मिटिंग

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजिनियरिंग एंड टैक्नॉलाजी (सीपैट) की गर्वनिंग बॉडी मैंबरों की 131 वीं मीटिंग इंदौर में आयोजित की गई। इस बैठक के लिए भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग के सचिव श्री पी. राघवेंद्र राव, ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री काशी नाथ झा, सीपैट के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर (डॉ) एसके नायक सहित अन्य सदस्य और उद्योग संगठन के सदस्य पदाधिकारी इंदौर आए थे। बैठक 21 फरवरी को होटल मेरियट में आयोजित की गई थी। इस आयोजन में प्रदेश के प्लास्टिक उद्योगों का सबसे बडा प्रतिनिधी संगठन इंडियन प्लास्ट पैक फोरम भी सक्रिय रूप से शामिल था। बैठक के बाद अधिकारियों के दल ने इंदौर शहर के वेस्ट मैनेटमेंट और प्लास्टिक वेस्ट के निपटान के लिए किए जा रहे कार्य को देखा। इस दौरा अधिकारियों को ने नगर निगम इंदौर के वेस्ट ट्रांसफर स्टैशन, ट्रेंचिग ग्राउड स्थित वेस्ट सेग्रीगेसन प्रोसेस और अन्य कार्य का निरिक्षण भी किया। इस निरिक्षण में आईपीपीएफ के अध्यक्ष सचिन बंसल, सचिव राम किशोर राठी, सुभाष चतुर्वेदी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य भी साथ मौजूद थे।

अधिकारियों से मिला आईपीपीएफ का प्रतिनिध मंडल

शाम को आईपीपीएफ द्वारा सीपैट गर्वनिंग बॉडी मेम्बरों के सम्मान में भोज का आयोजन किया। इस दौरान भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग के सचिव श्री पी. राघवेंद्र राव, ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री काशी नाथ झा, सीपैट के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर (डॉ) एसके नायक से आईपीपीएफ के प्रतिनिधी मंडल ने चर्चा की। बैठक में आईपीपीएफ के वरिष्ठ सदस्य सुभाष चतुर्वेदी ने इंदौर में प्लास्टिक उद्योंगों की जानकारी दी और सिपैट सेंटर के लिए आवश्यकता बताई। आईपीपीएफ अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि अधिकारियों को सीपैट के सेंटर खुलने से इंदौर ही नही पुरे प्रदेश को सुविधा मिलने की बात कही।

इंदौर में सेंटर खोलना तय

उद्योगपतियों की मांग को गंभीरता से सुनने के बाद भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग के सचिव श्री पी. राघवेंद्र राव ने कहा कि वे इस दिशा में जल्दी से जल्दी जरूरी अनुमति प्रदान करेंगे। उन्होनें सकारात्मक रूप से सेंटर के लिए उचित स्थान और जरूरी अनुमतियों के लिए एमएसएमई को निर्देशित करने की बात भी कही। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग ज्वाइंट सेक्रेटरी श्री काशी नाथ झा ने कहां की सब सेंटर के लिए जरूरी उपकरणों और मशीनों के लिए भी तत्काल अनुमति प्रदान की जाएगी। सीपैट के डायरेक्टर जनरल प्रोफेसर (डॉ) एसके नायक ने भी सेंटर खोलने के लिए सभी जरूरी दिशा-निर्देश जल्दी से जल्दी जारी करने की बात कही। आईपीपीएफ की ओर से एक प्रतिवेदन भी अधिकारियों को सौंपा गया। बैठक के अंत में सभी अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

ऑल इंडिया प्लास्टिक मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जगत किल्लेवाला के साथ इंडियन प्लास्टपैक फोरम के पदाधिकारी।

सीपैट लखनऊ के प्रिंसिपल डॉयरेक्टर श्री संदेश जैन के साथ आईपीपीएफ के पदाधिकारा

इंदौर के वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन का निरिक्षण कर जानकारी लेते अधिकारियों और उद्योगपतियों का दल

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के केमिकल एवं पेट्रो-केमिकल विभाग के सचिव श्री पी. राघवेंद्र राव और आईपीपीएफ अध्यक्ष श्री सचिन बंसल।

प्रदेश के प्लास्टिक उद्योग को लाभ

आईपीपीएफ अध्यक्ष सचिन बंसल ने बताया कि सीपैट के सेंटर को इंदौर में स्थापित होने से प्रदेश की प्लास्टिक इंडस्ट्रीज को लाभ मिलेगा। उन्होनें बताया कि प्रदेश में सबसे अधिक प्लास्टिक उत्पाद निर्माता इकाईयां इंदौर में है। कच्चे माल के रूप में आने वाले पोलिमर और तैयार माल को निर्यात का सबसे बडा सेंटर भी इंदौर है। वही पीथमपुर और इंदौर के विकसित औद्योगिक वातावरण में इंदौर में इस सेंटर की सबसे अधिक आवश्यकता है। जबकि इसके लिए वर्तमान में भोपाल सीपैट को सम्पर्क करना होता है। अधिकारियों से चर्चा के दौरान आईपीपीएफ सचिव राम किशोर राठी, कोषाध्यक्ष विकास बांगड, वरिष्ठ सदस्य सुभाष चतुर्वेदी, प्रेम नागौरी, हितेश मेहता, आरके माहेश्वरी सहित अन्य कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

साधना है सहज मौन में होना

जीवन के अज्ञात आयामों को जानने की जिज्ञासा अध्यात्म है। इस आध्यात्मिक प्रक्रिया को आनंददायक बनाने के कई तरीके हैं। या तो भक्ति मार्ग पर चलिए या साधना कीजिए। साधना का अर्थ है मन की हलचल को भूल कुछ समय के लिए मौन में स्थित हो जाना

अध्यात्म

सद्गुरु जग्गी वासुदेव

इस अस्तित्व को अनुभव करने के लिए जब हम अपनी वर्तमान सीमाओं को तोड़कर अगले आयाम में जाने की कोशिश करते हैं, तो इस प्रक्रिया में कुछ चीजें आपस में गड्ड-मड्ड हो जाती हैं। अगर व्यक्ति अपने भीतर जरूरी संतुलन और अंतर को समझने की क्षमता विकसित नहीं करता, तो इस गड्ड-मड्ड से बहुत सारे भ्रम पैदा हो सकते हैं।

अब मान लीजिए कि आप आध्यात्मिक प्रक्रिया में आगे बढ़े और अचानक यह सब शुरू हो जाए तो आपको समझ ही नहीं आएगा कि आप कहां खड़े हैं। जो लोग इन चीजों के बारे में बिल्कुल नहीं जानते, जो लोग अपने सांसारिक जीवन के बहाव में सहज बहे जा रहे हैं, वे यह बात भलीभांति जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं, जबकि आध्यात्मिक लोग हमेशा भ्रम में रहते हैं। अगर आप भ्रमित हैं तो इसका मतलब है कि आप लगातार नए इलाके में जा रहे हैं और इसी वजह से आप भ्रम में हैं। इसमें कोई हर्ज नहीं है। अगर आप लगातार परिचित माहौल में रहते हैं, तो इसमें निश्चितता तो होगी, लेकिन विकास की कोई गुंजाइश नहीं होगी। इसलिए पीछे रहने से बेहतर है, इस भ्रम से उचित और उपयोगी ढंग से निपटा जाए।

यह काफी कुछ सर्कस के कलाबाजी वाले झूले की तरह है। जब तक आप अपने झूले के साथ झूलते हैं, तब तक तो आपके लिए सब ठीक होता है, लेकिन जब आप उस रस्सी को छोड़कर कोई दूसरी रस्सी पकड़ने की कोशिश करते हैं, तो दोनों रस्सियों के बीच की जो स्थिति होती है, वह काफी भयावह होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि आप जानते हैं कि इस दौरान न आप इधर के हैं और न ही उधर के। जो लोग भी जीवन के दूसरे आयामों के बारे में पता लगाना, जानना और अनुभव करना चाहते हैं, उन सब की दशा ऐसी ही होती है। वे जीवन के दूसरे पहलू को जानना तो चाहते हैं, लेकिन वे अपने परिचित आयाम को एक पल के लिए भी छोड़ने के लिए तैयार नहीं होते। इसलिए उनका संघर्ष बेमतलब लंबा हो जाता है। अगर आप एक भक्त हैं, तो आपके भ्रमित होने में कोई दिक्कत नहीं है।

अगर आध्यात्मिक प्रक्रिया को एक आनंददायक प्रक्रिया बनाना है, तो इसका एक तरीका भक्ति है, नहीं तो आपको अपने भीतर अंतर को समझने का एक बेहद तीक्ष्ण भाव विकसित करना होगा। इस बिंदु पर पहुंचने के लिए आपको अतीत के अनुभवों और आदतों से नहीं, बल्कि विवेक-विचार के साथ पहुंचने की जरूरत है, जिससे आप साफ तौर पर देख सकें कि क्या सत्य है और क्या सत्य नहीं है। अगर आप इस रास्ते जाते हैं, तो आपका मन चाकू की धार की तरह तेज हो जाएगा, जो चीजों के आर-पार जाकर उन्हें स्पष्टता से देख सके। अगर ये दोनों चीजें संभव नहीं हैं तो अगली संभावना है कि आप अपनी ऊर्जा को उस सीमा तक ले जाएं कि जहां ये सब चीजें मायने ही नहीं रखतीं। आपका मन गलत भी हो सकता है। लेकिन आपकी जीवन-ऊर्जा गलत नहीं हो सकती। उसकी क्षमता कम व ज्यादा हो सकती है। तो अगर आपकी ऊर्जा उच्च स्तर पर जा रही है, तो यह बिल्कुल ठीक है। अगर ऊर्जाएं इतनी ऊपर जा रही हैं कि वे आपके शरीर से फिसली जा रही हैं तो यह और भी अच्छी बात है। या फिर ऐसा करें कि आप खुद को किसी सेवा में लगा दें। जो भी चीज सहज तौर पर आपको अर्थपूर्ण लगती है, उसकी सेवा में खुद को लगा दें।

> आप भ्रमित हैं तो इसका मतलब है कि आप लगातार नए इलाके में जा रहे हैं और इसी वजह से आप भ्रम में हैं। अगर आप लगातार परिचित माहौल में रहते हैं, तो इसमें निश्चितता तो होगी, पर विकास की कोई गुंजाइश नहीं होगी।

इनमें से कोई भी काम हमें करना ही चाहिए, वर्ना आध्यात्मिक प्रक्रिया बहुत ही तकलीफदेह हो जाएगी। अगर आप अपने कदम पीछे खींच लेंगे तो आप फिर से अपनी पुरानी स्थितियों में होंगे, जो अच्छी बात नहीं होगी। यह तो पीछे पलटने वाली बात होगी। आपमें बस विवेक-विचार की, चीजों को साफ देखने की नजर की जरूरत है। इस विवेक-विचार को पाने के लिए आपको कुछ जरूरी चीजें करनी होंगी, अन्यथा काम नहीं बनेगा।

क्या ऐसा करना मुश्किल है? नहीं, बिल्कुल मुश्किल नहीं है। हां, अगर सही चीजें करना आपको मुश्किल लगता है, तो ऐसा करना आपके लिए मुश्किल हो सकता है। वर्ना जिस चीज को भी आप सही मानते हैं और वह चीज आपके लिए नतीजे देती है और जिसे आप खुशी-खुशी करने में सक्षम भी हैं, वो करना मुश्किल नहीं है। सहज रूप से एक जगह बैठकर अगले दो घंटे तक कुछ न करना क्या बहुत मुश्किल है? अगर ऐसा है तो साधना आपके लिए मुश्किल है।

आखिर आपकी समस्या क्या है? मैं आपसे कोई काम करने के लिए नहीं कह रहा हूं, मैं बस आपसे बैठने के लिए कह रहा हूं। अगर उतना करना भी आपके लिए मुश्किल है, तो साधना आपके लिए मुश्किल काम है। अगर आप सहज तौर पर बैठ सकते हैं, बिना इसकी चिंता किए कि आपके मन में क्या चल रहा है, दुनिया में क्या हो रहा है, आप बस यहां बिना कुछ किए दो घंटे बैठ जाइए। फिर साधना करना बहुत आसान व सहज हो जाता है।

याज्ञवल्क्य जयन्ती (28 फरवरी) पर विशेष

ज्ञानियों के ज्ञानी महर्षि याज्ञवल्क्य

भारत के प्राचीन ऋषियों में से एक महर्षि याज्ञवल्क्य का जन्म फाल्गुन कृष्ण पंचमी को मिथिला नगरी के निवासी ब्रह्मरथ और सुनंदा के घर हुआ था। श्रीमद्भागवत के अनुसार, इनका जन्म देवराज के पुत्र के रूप में हुआ था।

सातवें वर्ष में याज्ञवल्क्य ने अपने मामा वैशंपायन से शिक्षा ग्रहण कर वेद की समस्त ऋचाएं कंठस्थ कर ली थीं। बाद में इन्होंने उद्दालक आरुणि ऋषि से अध्यात्म तो ऋषि हिरण्यनाम से योगशास्त्र की शिक्षा ली। आगे की शिक्षा के लिए वे वर्धमान नगरी के गुरु शाकल्य के आश्रम में ऋग्वेद का विशेष अध्ययन करने के लिए गए। लेकिन वहां के राजा सुप्रिय की अधार्मिक व विलासी प्रवृत्ति और गुरु शाकल्य का उनके प्रति पूज्य भाव देख वे अपने गुरु से विमुख हो गए और आश्रम छोड़ दिया। फिर राजा जनक का शिष्य बन आगे की विद्या प्राप्त की।

युवावस्था में महर्षि याज्ञवल्क्य का विवाह कात्यायनी से हुआ तथा एक पुत्र हुआ कात्यायन। इधर राजा जनक के यहां एक ऋषि मित्र की कन्या मैत्रेयी ने भी मन ही मन याज्ञवल्क्य को पति मान लिया था। जब ऋषि अपनी पुत्री के लिए वर खोजने निकले, तब मैत्रेयी ने बताया कि मैंने मन ही मन याज्ञवल्क्य को पति स्वीकार कर किया है। तब पिता ने पुत्री से कहा कि वे तो विवाहित हैं और एक पुत्र के पिता हैं, तो यह कैसे संभव है। इस पर मैत्रेयी ने कहा कि वे कात्यायनी को बड़ी बहन व पुत्र कात्यायन को सगे पुत्र जैसा ही प्यार देंगी। फिर कात्यायनी की ही इच्छा से याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी का विवाह हुआ।

याज्ञवल्क्य को 'वाजसनी' भी कहा गया है, क्योंकि प्रतिदिन भोजन, दान के बाद ही अन्नग्रहण करते थे। एक बार याज्ञवल्क्य ने घोर जप-तप कर सूर्यदेव को प्रसन्न किया। सूर्यदेव ने वरदान मांगने को कहा। याज्ञवल्क्य बोले, 'मुझे आपसे यजुर्वेद का ज्ञान प्राप्त करना है।' सूर्यदेव के अनुग्रह से मां शारदे आचार्य के मुख में प्रविष्ट हुईं। ऐसा होते ही महर्षि याज्ञवल्क्य के पूरे शरीर में जलन होने लगी और वे पानी में कूद पड़े। तुरंत सूर्यदेव प्रकट हुए और कहा, 'इस पीड़ा के समाप्त होते ही तुम्हारे मन-मस्तिष्क में समस्त वेद प्रतिष्ठित हो जाएंगे।' हुआ भी ऐसा ही, याज्ञवल्क्य सम्पूर्ण वेद-पुराण में पारंगत हो गए। याज्ञवल्क्य की कृतियों में शुक्ल यजुर्वेद संहिता, याज्ञवल्क्य स्मृति, याज्ञवल्क्य शिक्षा, प्रतिज्ञा सूत्र, शतपथ ब्राह्मण, योगशास्त्र आदि का विशेष महत्व है। इनकी कृति बृहदारण्यकोपनिषद् के तीन भाग में द्वितीय भाग इन्हीं के नाम पर 'याज्ञवल्क्य कांड' के नाम से प्रसिद्ध है। महर्षि याज्ञवल्क्य के सैकड़ों शिष्य हुए, इनमें वेदज्ञ विश्वासु का नाम सबसे प्रमुख है।

डॉ. राकेश कुमार सिन्हा 'रवि'

आस्था स्थली: शनिचरा, ऐंती, मुरैना, मध्य प्रदेश

उल्कापिंड से बने त्रेता युगीन शनि

यूं तो हमारे देश में असंख्य शनि मंदिर हैं, लेकिन शनिदेव के प्राचीन एवं ऐतिहासिक धाम गिने-चुने ही हैं। इनमें सबसे प्राचीन माना जाता है मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक नगर ग्वालियर से करीब 27 किलोमीटर दूर स्थित शनिचरा मंदिर। मुरैना के ऐंती ग्राम में जिस जगह यह मंदिर बना हुआ है, उसे शनि पर्वत भी कहा जाता है। कथा है कि जब त्रेता युग में हनुमान जी माता सीता का पता लगाते हुए लंका पहुंचे, तो उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके सखा शनिदेव को रावण ने बंदी बना कर अपने पैरों के नीचे आसन की तरह रख छोड़ा है। हनुमान जी ने उन्हें वहां से मुक्त तो करा लिया, लेकिन इतने बरसों से रावण के पैरों तले दबे रह कर शनिदेव अत्यधिक दुर्बल हो गए थे और चल तक नहीं पा रहे थे। तब उन्होंने हनुमान जी से कहा कि आप मुझे भारत भूमि की तरफ उछाल दो। हनुमान जी ने ऐसा ही किया और शनिदेव इस पर्वत पर आ गिरे। यहां उन्होंने घोर तपस्या कर अपने बल को फिर से प्राप्त किया। कालांतर में यहां उनका मंदिर बना।

मान्यता है कि यहां स्थापित शनिदेव की अति प्राचीन मूर्ति का निर्माण अंतरिक्ष से टूट कर गिरे एक उल्कापिंड से किया गया है, जिसकी स्थापना चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य ने करवाई थी। बाद में सिंधिया घराने के महाराज दौलत राव सिंधिया द्वारा इस मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया गया। अब इस मंदिर का प्रबंधन जिला प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंदिर परिसर में एक कुंड है, जिसमें भक्तगण स्नान करने के बाद अपने पहने सभी वस्त्रों को त्याग देते हैं। मंदिर परिसर में शनिदेव के ठीक सामने ही हनुमान जी की मूर्ति

भी स्थापित है। यह भी कहा जाता है कि महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर में स्थापित शनि शिला भी इसी शनि पर्वत से ही ले जाई गई है। हर शनिवार को यहां हजारों की संख्या में भक्त आते हैं। हर वर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या को शनि जयंती के अवसर पर लगने वाले मेले में यह संख्या लाखों में पहुंच जाती है। मंदिर में प्रवेश के लिए लगने वाली कतारों के निकट ही शनिदेव पर चढ़ाए जाने वाले तेल को एकत्र करने की व्यवस्था है। किसी भी जगह तेल चढ़ाइए, वह इकट्ठा होकर एक ही जगह पहुंचता है और वहां से सीधे शनिदेव की मूर्ति के ऊपर लगे एक पाइप से उन पर लगातार गिरता रहता है।

कैसे पहुंचें: पहले ग्वालियर पहुंचें, ग्वालियर से सरकारी रोडवेज की बसें ऐंती जाती हैं। आप टैक्सी या ऑटोरिक्शा बुक करके भी ऐंती पहुंच सकते हैं।

दीपक दुआ

सरकार को आगे पामोलीन के आयात के लिए लाइसेंस जारी करना रोकना चाहिये: एसईए

नयी दिल्ली। एजेंसी

खाद्य तेल उद्योग ने मंगलवार को सरकार से पामोलियन के आयात के लिए आगे लाइसेंस जारी नहीं करने का आग्रह करते हुए चेताया है कि आयात बढ़ने से भारी मात्रा में सरसों फसल की आवक होने से पहले स्थानीय बाजार में खाद्य तेल कीमतों में और गिरावट आएगी। वाणिज्य मंत्रालय को दिये गये एक ज्ञापन में, भारतीय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स संघ (एसईए) के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार ने अत्यधिक आयात पर अंकुश लगाने के लिए एक महीने पहले आरबीडी पामोलिन के आयात को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने

11 लाख टन पामोलीन तेल के आयात के लिए लाइसेंस जारी किये हैं। उन्होंने कहा, ''हम इसके खिलाफ हैं, जिसमें देश में पामतेल शोधन उद्योग बर्बाद हो सकता है। यह हमारे प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' के विचार के खिलाफ है।''

उद्योग ने वाणिज्य मंत्रालय से अपील की कि वह घरेलू वनस्पति तेल शोधन उद्योग और सरसों के किसानों के हितों की रक्षा के लिए आगे लाइसेंस जारी करना बंद करे। चतुर्वेदी ने कहा कि देश में आरबीडी पामोलीन या खाद्य तेलों की कोई कमी नहीं है और अंतरराष्ट्रीय और साथ ही घरेलू बाजारों में भी खाद्य तेल की कीमतें पिछले डेढ़ महीने में गिर रही हैं। उन्होंने कहा कि कटाई के लिए तैयार सरसों की बड़ी फसल के साथ, पामोलीन के आयात से घरेलू तेल-तिलहनों के भावों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि इससे सरसों न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से नीचे बिक सकती है और नाफेड के पास भारी स्टॉक जमा हो सकता है।

एसईए के अनुसार, इंडोनेशिया ने कच्चे पाम तेल (सीपीओ) के निर्यात पर प्रति टन 50 डॉलर प्रति टन और आरबीडी पामोलीन तेल पर प्रति टन 30 डॉलर का शुल्क लगा रखा है। इस लिए वहां से आरबीडी पामोलीन के निर्यात को बड़ा प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके अलावा भारत में सीपीओ और आरबीडी पामोलिन पर आयात शुल्क का अंतर केवल 7.5 प्रतिशत होने के कारण आरबीडी पामोलिन आयात की बाढ़ आ सकती है। आयात में इसी तरह की बाढ़ पिछले साल जनवरी से सितंबर 2019 के दौरान देखी गयी थी।उस समय मलेशिया के क्रूड और आरबीडी पामआयल पर शुल्क में अंतर सिर्फ पांच प्रतिशत का था।

सोने चांदी की कीमतों में हो सकती है और बढ़ोतरी

इंदौर। भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ इंदौर महानगर मीडिया प्रभारी संतोष वाधवानी ने बताया कि सोना

1600 प्रति ओस पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपए 1 माह के निचले स्तर पर यानी 71.66 पर पहुंच गया था। सर्राफा व्यवसाई संतोष वाधवानी(रत्न विशेषज्ञ की माने तो इसी कारण सोना 1600 डॉलर प्रति ओस पर पहुंच गया और अभी भी इसमें तेजी आने की संभावना बनी हुई है। गुरुवार को बंद कारोबार की तुलना में सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.01 फ़ीसदी उतरकर 18.48 डॉलर प्रति औंस बोली गई है। गुरुवार को इस में भी तेजी देखी गई थी सराफा व्यवसाई का कहता है कि सोने चांदी को भूलकर भी बेच कर ना चले उनके अनुसार सोने और चांदी में इस साल की बहुत जबरदस्त तेजी देखने को मिलेगी। सोने का टारगेट 1720 डॉलर है यानी भारतीय रुपए के अनुसार 44750 और चांदी 55000 की तेजी देखने को मिलेगी। सराफा व्यवसायी संतोष वाधवानी ने बताया कि उन्होंने बताया कि बाजार की धारणा देखकर लगता है की सोना बड़ी जल्दी 50,000 और चांदी करीब रू. 55000 के भाव देखने को मिलेंगे। भाव बढ़ने के कारण व्यापारियों में ग्राहकी को लेकर चिंता का विषय बना हुआ है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के हालात, वायरस संकट विचार के लिये सऊदी अरब में जुटे 20 देशों के मंत्री

रियाद। एजेंसी

जी20 देशों के वित्त मंत्री और इनके केंद्रीय बैंकों के गवर्नर वैश्विक अर्थव्यवस्था के ताजा हालात तथा कोरोनावायरस संक्रमण से उत्पन्न जोखिमों पर दो दिन की चर्चा के लिये शनिवार को यहां एकत्रित हुए। आयोजकों ने बताया कि इस दो दिन की चर्चा में जी20 के ''वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंकों के गवर्नर वैश्विक अर्थव्यवस्था के परिदृश्य तथा वृद्धि की राह के खतरों से बचाव तथा वृद्धि के प्रोत्साहन के लिए संभावित नीतिगत उपायों पर चर्चा करेंगे।'' आयोजकों ने कहा, ''इनके अलावा वे अर्थव्यवस्थाओं के डिजिटलीकरण से दौर में कराधान की चुनौतियों पर भी चर्चा करेंगे। इस सम्मेलन की अध्यक्षता सऊदी अरब कर रहा है। इसका विषय है '21वीं सदी के अवसरों की सभी के लिये पहचान'।'' यह पहला मौका है जब जी20 की अध्यक्षता किसी अरब देश के पास आयी है।

इस दो दिवसीय बैठक के दौरान सऊदी अरब के वित्त मंत्री मोहम्मद अल-जदान और सऊदी अरब के केंद्रीय बैंक के गवर्नर अहमद अल-खलीफी अध्यक्ष की भूमिका में होंगे। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब चीन में कोरोनावायरस का संक्रमण फैलने से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके असर की आशंकाएं उठ रही हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्तालिना जॉर्जीवा ने शुक्रवार को यहां कहा कि कोरोनावायरस का अर्थव्यवस्थाओं पर असर हो सकता है थोड़े समय के लिए ही रहे लेकिन वैश्विक अर्थव्यवस्था नाजुक हालत में है।

जॉर्जीवा ने कहा कि कोरोनावायरस के कारण अर्थव्यवस्थाओं पर असर अंग्रेजी के 'वी' अक्षर के आकार का हो सकता है(तेजी से गिरने के तुरंत सुधार) कोरोनावायरस के संक्रमण से चीन में अब तक 2,345 लोगों की मौत हो चुकी है। चीन ने कहा है कि वह जी20 की इस बैठक में भाग लेने के लिये किसी नेता को नहीं भेजेगा। इस बैठक में सऊदी अरब में चीन के राजदूत अपने देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एलआईसी के प्रस्तावित आईपीओ से बीमा उद्योग को फायदा होगा : फिच

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

फिच रेटिंग्स का मानना है कि जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के प्रस्तावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी की जवाबदेही और पारदर्शिता में सुधार होगा। फिच रेटिंग्स ने इसके साथ ही बुधवार को कहा कि एलआईसी के आईपीओ से पूरे बीमा उद्योग को फायदा होगा। फिच ने कहा कि इसका लाभ संभवतः पूरे बीमा उद्योग को मिलेगा। उद्योग अधिक विदेशी पूंजी आकर्षित कर पाएगा, जिससे देश में विदेशी पूंजी का प्रवाह भी बढ़ेगा। फिच ने कहा कि उसे उम्मीद है कि एक बार एलआईसी का आईपीओ आने के बाद निजी क्षेत्र की कुछ बीमा कंपनियां भी मध्यम अवधि में अपने शेयरों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध कराने को प्रोत्साहित होंगी। हालांकि, मौजूदा नियमनों के तहत सभी बीमा कंपनियों के लिए सूचीबद्ध होना अनिवार्य नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 2020-21 के बजट भाषण में घोषणा की थी कि सरकार की विनिवेश पहल के तहत एलआईसी को सूचीबद्ध किया जाएगा। अभी एलआईसी में सरकार की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। फिच ने कहा कि सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध एलआईसी को अधिक कड़े खुलासा नियमों को पूरा करना होगा। इससे कंपनी के भीतर ही अनुपालन और जवाबदेही की मजबूत संस्कृति बनेगी।

खुले में बिकने वाली मिठाई पर 'उपयोग की उपयुक्त अवधि' का उल्लेख करना होगा अनिवार्य: एफएसएसएआई

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सरकार स्थानीय दुकानों पर मिलने वाले खाने-पीने के सामान की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिये कदम उठा रही है। इसके तहत जून 2020 के बाद से, स्थानीय मिठाई की दुकानों को भी परातों एवं डब्बों में बिक्री के लिए रखे गये मिठाई के लिए 'निर्माण की तारीख' तथा 'उपयोग की उपयुक्त अवधि' जैसी जानकारी प्रदर्शित करनी होगी।

मौजूदा समय में, इन विवरणों को पहले से बंद डिब्बाबंद मिठाई के डिब्बे पर उल्लेख करना अनिवार्य है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने स्वास्थ्य खतरों को देखते हुए यह कदम उठाया है। उपभोक्ताओं को बासी / खाने की अवधि समाप्त होने के बाद भी मिठाइयों की बिक्री की सूचना मिलने के बाद इस संबंध में एक निर्देश जारी किया गया है। एफएसएसएआई के आदेश में कहा गया है, ''सार्वजनिक हित में और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, यह तय किया गया है कि खुली बिक्री वाली मिठाइयों के मामले में, बिक्री के लिए रखी मिठाई के कंटेनर / ट्रे पर 'निर्माण की तारीख' और 'उपयोग की अवधि' जैसी जानकारियों को प्रदर्शित करना होगा।'' यह आदेश एक जून, 2020 से प्रभावी होगा। आदेश के अनुसार राज्यों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

फ्रांस में कोरोना वायरस से पहली मौत

एशिया, यूरोप, मिड्ल ईस्ट तक फैला संक्रमण

जेनेवा। एजेंसी

एशिया में बुधवार को कोरोना वायरस के सैंकड़ों नए मामले सामने आए। इसमें से एक अमेरिकी सैनिक के संक्रमित होने की भी है। भारतीय विमान गुरुवार को वुहान से 120 लोगों को वापस लाएगा। इनमें 80 भारतीय नागरिक और पड़ोसी देशों के 40 लोग शामिल हैं। वहीं फ्रांस से भी आज पहला मौत का मामला सामने आया है। हालांकि अमेरिका ने इटली और ईरान से निकले इस महामारी के अन्य देशों में फैलने को लेकर चेतावनी भी दी थी। ईरान में इस कोरोना वायरस ने चार और लोगों की जान ली। इसके साथ ही यहां वायरस के संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 19 पहुंच गई।

अमेरिका पर ईरान का गुस्सा

कोरोना वायरस को लेकर डर का माहौल बनाने को लकर ईरान के राष्ट्रपति ने अमेरिका पर गुस्सा जताया है। अध्यक्ष हसन रूहानी ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह कोरोना वायरस को लेकर ईरान में डर फैलाने की कोशिश कर रहा है। कोरोनो वायरस के कारण ईरान में 15 लोगों की मौत हो गई है।

चीन के बाद दक्षिण कोरिया का नंबर

कोरोना वायरस की महामारी बुधवार को अधिक फैल गई। ईरान में कोरोना वायरस के संक्रमण में जहां तेजी देखी गई वहीं दक्षिण कोरिया में इसके मामले 1000 से अधिक का आंकड़ा पार कर गए। यहां तक कि जिन देशों में यह संक्रमण नहीं था वहां भी यह पहुंच गया है। कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए सख्त चेतावनी जारी की गई है कि दुनिया इसके लिए तैयार नहीं है।

चीन के बाद दक्षिण कोरिया है बड़ा शिकार

दक्षिण कोरिया में एक अमेरिकी सैनिक भी कोरोना वायरस के चपेट में आ गया है। चीन के बाद कोरोना वायरस का बड़ा शिकार दक्षिण कोरिया है जहां अब तक 11 लोगों की मौत हो गई। बुधवार को दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के नए 169 मामले सामने आए जिसके बाद यहां कुल मामलों का आंकड़ा 1,146 पर पहुंच गया।

एशिया, यूरोप और मिड्ल ईस्ट

एशिया, यूरोप और मिड्ल ईस्ट के कई हिस्सों में वायरस तेजी से फैल गया है जबकि चीन में जहां से इसकी शुरुआत हुई थी, इसके मामलों में कमी देखी गई है। संक्रमण को फैलने से रोकने के प्रयास में कस्बों और शहरों को सील करने की शुरुआत हो गई जबकि संदिग्ध मामलों को देखते हुए कैनरी आइलैंड और ऑस्ट्रिया में होटल मंगलवार को बंद कर दिए गए थे। ईरान में संक्रमण के 100 मामलों में से 15 मौत के मामले सामने आए हैं। यहां तक कि ईरान के डिप्टी स्वास्थ्य मंत्री इराज हरिरची (Iraj Harirchi) ने कहा, 'उन्हें भी वायरस का संक्रमण लगा है।'

विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization) के जेनेवा स्थित मुख्यालय में ब्रूस आइलवार्ड (Bruce Aylward) ने देश द्वारा इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों की तारीफ की। आइलवार्ड ने चीन में अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट मिशन की अगुवाई की। चीन में अंतरराष्ट्रीय एक्सपर्ट मिशन लेकिन उन्होंने कहा कि अन्य देश इस महामारी के लिए तैयार नहीं। आइलवार्ड ने कहा, 'वृहत पैमाने पर इसे मैनेज करने के लिए आपको तैयार रहना होगा।' वायरस से 2,715 लोगों की मौत हो गई और चीन में 78,000 से अधिक लोग संक्रमित हैं। बुधवार को 52 और मौतें हुई। यह आंकड़ा पिछले तीन सप्ताह के आंकड़े की तुलना में कम है।

मिड्ल ईस्ट में ईरान है हॉट स्पॉट

कोरोना वायरस के चपेट में मिड्ल ईस्ट में आने वाला ईरान सबसे बड़ा हॉट स्पॉट है। यहां मंगलवार को तीन लोगों की मौत हो गई। खाड़ी देशों ने एहतियातन ईरान के साथ लिंक खत्म करने का ऐलान कर दिया। इस बीच इटली में 300 से अधिक कोरोना वायरस के मामले पाए गए हैं और 10 मौतें भी हुई हैं। यहां 11 शहरों को एहतियातन बंद करा दिया गया और आदेश दिया गया कि फुलबॉल गेम्स (Serie A football games) खाली स्टेडियम में खेला जाएगा। इटली से वापस क्रोएशिया आए युवा शख्स का मामला बाल्कन का पहला मामला था।

क्या कहता है स्वास्थ्य आयोग

राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (National Health Commission) ने नए संक्रमण के मामलों में 406 तक की गिरावट दर्ज की। इनमें से केवल पांच मामले हुबेई से बाहर के हैं। दुनिया के अन्य देशों में 40 से अधिक मौतें और 2700 मामले देखे गए। यह बीमारी अब दर्जनें देशों तक पहुंच गई है। ऑस्ट्रिया, क्रोएशिया और स्वीट्जरलैंड में नए मामले दर्ज किए गए हैं। वायरस के संक्रमण के प्रभाव से स्टॉक मार्केट भी अछूता नहीं है, यात्रियों पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं और स्पोर्ट्स इवेंट को भी रद कर दिया गया है। WHO ने चेताया कि गरीब देशों में इसका रिस्क है। अमेरिका में कुछ दर्जन कोरोना वायरस के मामले पाए गए। इसे देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारियों ने स्थानीय सरकारों, व्यापारियों व स्कूलों से सामूहिक भीड़ को एकत्रित होने पर रोक लगाने का आग्रह किया। WHO और UN स्वास्थ्य एजेंसी ने देशों को इस संभावित महामारी के लिए तैयार रहने को कहा है।

ऊंचे दाम पर भी पुराना गोल्ड नहीं बेच रहे लोग

कोलकाता। एजेंसी

गोल्ड की कीमतें बढ़ने के बावजूद लोग इसे बेचने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। उनका अनुमान है कि कोरोना वायरस के प्रकोप से आने वाले हफ्तों में इसमें और उछाल आएगा। मुंबई के झावेरी बाजार के पुराना गोल्ड खरीदने वालों और बुलियन डीलर्स का कहना है कि अधिक दाम का फायदा पाने के लिए लोगों की ओर से बिक्री का दौर शुरू होने में अभी वक्त है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि देश में करीब 22,000 टन सोना लोगों के पास पड़ा है।

सोना बेचने की जल्दी में नहीं ग्राहक

ऋद्धिसिद्धि बुलियंस के मैनेजिंग डायरेक्टर पृथ्वीराज कोठारी ने बताया, 'लोग अभी गोल्ड बेचने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। बल्कि, निवेशक इन्हें मौजूदा प्राइस लेवल पर खरीद रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि गोल्ड के दाम अभी चढ़ते रहेंगे।' जगराज कांतिलाल के डायरेक्टर जितेंद्र जैन ने बताया, 'लोग जल्दबाजी नहीं दिखा रहे हैं। सोने का दाम जब एक बार 38,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंचा था, तब उस समय इसे बेचने के लिए लंबी कतारें लग रही थीं। हालांकि, इस बार कीमतों के ऊपर चढ़ने के बावजूद ऐसा नहीं हो रहा है।'

कोरोना ने बढ़ा दी थी कीमत

COMEX पर स्पॉट इंटरनैशनल गोल्ड प्राइसेज सोमवार को और चढ़कर 1,689 डॉलर पहुंच गईं। वैश्विक स्तर पर मजबूती के कारण श्र्ण पर इसकी फ्यूचर प्राइसेज हफ्ते की शुरुआत में गैप अप (पिछले ट्रेड के हाई से ऊंचे स्तर पर स्टॉक का खुलना) पर ट्रेड हो रही थीं। खतरनाक कोरोना वायरस के चीन से बढ़कर दक्षिण कोरिया, मध्य पूर्व और इटली जैसे देशों तक फैलने के कारण गोल्ड के दाम में उछाल आई है। दिल्ली बाजार में यह करीब 954 रुपये की गिरावट के साथ 43,549 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा।

गोल्ड अहम सपॉर्ट लेवल पर

गोल्ड की कीमतें मंगलवार को करेक्शन के साथ 1,640 डॉलर पर आ गईं। प्ड्इ सिक्यॉरिटीज के रिसर्च ऐनालिस्ट तपन पटेल ने बताया, 'करेक्शन होने से गोल्ड प्राइसेज घटकर पिछले रेजिस्टेंस लेवल 1,611 डॉलर पर आ सकती हैं। यह अब अहम सपॉर्ट लेवल बन गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर कोरोना वायरस का कहर बना रहेगा। इसके चलते सोने के दाम में ऊंचा रिस्क प्रीमियम बना रहेगा।' वैश्विक अर्थव्यवस्था की रिकवरी को लेकर बनी चिंता को देखते हुए पटेल गोल्ड के लिए लॉन्ग-टर्म में बुलिश हैं। उन्होंने इसका टारगेट 1,800 डॉलर दिया है। यूएस फेडरल और अन्य बड़े केंद्रीय बैंकों के नरम रुख अपनाने से गोल्ड प्राइसेज चढ़ती रहेंगी।

2% गिरे दाम तो बिक्री करने लगेंगे लोग

इंडियन बुलियन ऐंड जूलरी असोसिएशन के नैशनल सेक्रटरी सुरेंद्र मेहता ने बताया कि कीमतों में अगर मौजूदा स्तर से कम से कम दो पर्सेंट की गिरावट आती है तो लोग गोल्ड की बिक्री शुरू कर देंगे। हालांकि, उनका मानना है कि मार्केट में कुछ समय के लिए करेक्शन होगा और सोने का दाम एक महीने के अंदर घटकर 1,560 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर आ जाएगा। मेहता ने बताया, 'यह उछाल केवल कोरोना वायरस के डर के कारण बनी है। इस समय सेंट्रल बैंकों की ओर से कोई बड़ी खरीदारी नहीं हो रही है। किसी तरह का ट्रेड या जियो-पॉलिटिकल

संकट भी नहीं है। केवल ऊंइ (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) में खरीदारी हो रही है। मुझे लगता है कि बाजार में सट्टेबाज सक्रिय हैं।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।